

МИНИСТЕРСТВО НАУКИ И ВЫСШЕГО ОБРАЗОВАНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

федеральное государственное бюджетное образовательное учреждение высшего образования "Алтайский государственный педагогический университет"
Исторический факультет

План одобрен Ученым советом вуза
Протокол № 8 от 27.05.2019

РАБОЧИЙ УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

44.03.05

44.03.05 Педагогическое образование (с двумя профилями подготовки)

Профиль: История и Право

Квалификация: бакалавр

Форма обучения: Очная

Срок получения образования: 5л

| | |
|---|--|
| + | Типы задач профессиональной деятельности |
| + | педагогический |
| + | методический |

Год начала подготовки (по учебному плану) 2019

Образовательный стандарт (ФГОС) № 125 от 22.02.2018

СОГЛАСОВАНО

Проректор по учебной работе и международной
деятельности

/ А.В. Контев/

Начальник учебно-методического управления

/ С.П. Волохов/

Декан исторического факультета

/ Т.А. Шеметова/

Руководитель образовательной программы

/ Ю.Н. Цыряпкина/



УТВЕРЖДАЮ

Ректор

/ И.Р. Лазаренко

"27" мая 2019 г.

| | | Форма контроля | | | | з.е. | Итого академ. часов | | | | Сем. 1 | | | | Сем. 2 | | | | Сем. 3 | | | | Сем. 4 | | | | Сем. 5 | | | | Сем. 6 | | | | Сем. 7 | | | | Сем. 8 | | | | Сем. 9 | | | | Сем. А | | | | Защита диплома | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--------|--------------|----------------|---------------|-------|----------------|------|---------------------|-----------------|-----------------|-------------|------------------|----|----------------|------|--------|-----|----|-----|--------|----------------|------|-----|--------|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|--------|-----|----|----------------|--------|-----|-----|----|--------|----|----------------|------|--------|-----|----|-----|--------|----------------|------|-----|-------------------|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|----------------|------|-----|-----|----|-----|----|
| Индикс | Наименование | Блок/ часть | Экзам- нен | Зачет | Зачет с оц. | КР | Факт | Часов в з.е. | Эксперт- ное | По плану | Контакт- часы | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР | Контр- роль | з.е. | Лек | Лаб | Пр | КСР | СР |

